BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:.................... **Date:.........................**

PRINT MEDIA COVERAGE ON B.R.A.BIHAR UNIVERSITY NEWS
COMPILED BY MEDIA CELL (25.02.2025)

HINDUSTAN, MUZAFFARPUR, DATE: 25.02.2025, PAGE-06

चालान नहीं निकलने से अटक रही डिग्री

- विवि प्रशासन समाधान को करेगा पहल, परीक्षा बोर्ड में रखी जाएगी समस्या
- सैकड़ों छात्रों का पैसा कटने के बाद नहीं निकला चालान, नहीं बन रही उनकी डिग्री

मुजफ्फरपुर, प्रमुख संवाददाता। बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में पैसा कटने के बाद भी डिग्री के लिए चालान नहीं निकलने से विद्यार्थी हलकान हैं। लगातार शिकायत विश्वविद्यालय को मिल रही है। इसके समाधान के लिए विवि प्रशासन ने तैयारी शुरू कर दी है। समस्या को परीक्षा बोर्ड के समक्ष रखने की तैयारी है।

बिहार विश्वविद्यालय में कई विद्यार्थियों ने शिकायत की है कि डिग्री के लिए आवेदन करने के बाद उनका पैसा तो कट गया, लेकिन चालान नहीं मिला। इस कारण उनकी डिग्री अटक गई है। लगातार ऐसी शिकायत आने के बाद परीक्षा विभाग और डिग्री सेक्शन इसके समाधान में जुट गया है। उप परीक्षा नियंत्रक डॉ. रेणु बाला ने बताया कि छात्रों की इस समस्या को परीक्षा बोर्ड में रखा जाएगा। बैठक में चर्चा कर इसका समाधान निकाला जाएगा। छात्रों को डिग्री के लिए अभी ऑनलाइन आवेदन राजभवन के एक पोर्टल पर करना पड़ता है। आवेदन में बीआरएबीयू का दखल नहीं है। चालान फंस जाने के बाद छात्र विवि में आवेदन करते हैं और परीक्षा विभाग उस भुगतान की स्थिति की जांच पोर्टल से करता है। भुगतान सही पाए जाने पर विद्यार्थियों का चालान निकाला जाता है। इसके बाद डिग्री बनने की प्रक्रिया होती है। सूत्रों ने बताया कि चालान फंसने के मामले में बीआरएबीयू प्रशासन राजभवन से भी मार्गदर्शन लेगा। विश्वविद्यालय चाहता है कि छात्र विश्वविद्यालय के ही पोर्टल पर आवेदन करें ताकि उनको भुगतान के साथ चालान मिलने में कोई परेशानी नहीं हो।

अगले माह से भरा जाएगा पार्ट-2 की विशेष परीक्षा का फॉर्म

मुजफ्फरपुर। बीआरए बिहार विवि में स्नातक पार्ट-2 की विशेष परीक्षा का फॉर्म अगले महीने भरा जाएगा। इसकी जानकारी परीक्षा नियंत्रक डॉ. सुबा लाल पासवान ने सोमवार को दी। उन्होंने बताया कि मार्च में परीक्षा का फॉर्म भरा जाएगा। इसके बाद परीक्षा की तैयारी की जाएगी। उम्मीद जताई जा रही है कि अप्रैल महीने में पार्ट-2 की विशेष परीक्षा होगी। पार्ट-1 की विशेष परीक्षा में 24 हजार छात्रों ने फॉर्म भरा था जिसमें से 21 हजार ने परीक्षा दी थी। इस परीक्षा में 17 हजार छात्र पास हुए हैं, जबकि सात सौ छात्रों का रिजल्ट पेंडिंग हो गया है। पार्ट-1 की विशेष परीक्षा में पांच वर्षों के छात्र शामिल हुए थे।

HINDUSTAN, MUZAFFARPUR, DATE: 25.02.2025, PAGE-06

छात्र संवाद में पांच साल बाद सुधरा अंकपत्र पर नाम

- बीआरएबीयू में छात्र संवाद का आयोजन
- पिछली समस्या के समाधान की हुई समीक्षा

बीआरएबीयू में सोमवार को आयोजित छात्र संवाद में अपनी समस्या रखती छात्रा।

मुजफ्फरपुर, प्रमुख संवाददाता। पांच साल से अंकपत्र पर नाम सुधरवाने को दौड़ रहे रवि सुल्तानिया का नाम सोमवार को विवि के छात्र संवाद में सुधर गया। उनके अंकपत्र पर रवि की जगह रवीफ अंकित हो गया था। रवि सुल्तानिया और उनके पिता ने बताया कि वह वर्ष 2020 से नाम सुधरवाने के लिए विवि के चक्कर काट रहे थे। रवि स्नातक सत्र 2017-20 के छात्र हैं।

छात्र संवाद की अध्यक्षता प्रॉक्टर प्रो. विनय शंकर राय ने की। संवाद में डिप्टी कंट्रोलर डॉ. आनंद दुबे ने छात्रों की समस्या का समाधान किया। छात्र संवाद में आये रवि ने बताया कि नाम सुधार के लिए परीक्षा विभाग के कई बार चक्कर काटे पर किसी ने सुनवाई नहीं की। आज छात्र संवाद में पहुंचा। रवि के दस्तावेज परीक्षा विभाग के रंजीत कुमार को दिये गये। इसके बाद छात्र का नया अंकपत्र छापने का निर्देश दिया गया। प्रॉक्टर प्रो. राय ने पिछले छात्र संवाद में आई समस्याओं के समाधान की रिपोर्ट मांगी। इसपर बताया कि पांच समस्याएं आई थीं, जिनमें चार का निपटारा हो गया है। पीजी सत्र 2021-23 की छात्रा मूर्ति कुमारी ने कहा कि आरटीआई के बाद भी उनकी कॉपी नहीं मिली है। मैथिली विभाग की छात्रा गायत्री कुमारी ने कहा कि वह सत्र 2018-20 की छात्रा हैं। कोरोना में परीक्षा हुई थी, पर इंटरनेट पर रिजल्ट 2024 में चढ़ाया गया। रिजल्ट में फेल बताया जा रहा है। जब विभाग से शिकायत की गई तो कोई समाधान नहीं हुआ। आरबीबीएम से आई शहर बानो ने बताया कि वह सत्र 2019-22 की छात्रा हैं। उनके अंकपत्र पर पार्ट टू व पार्ट थ्री के नंबर नहीं जुटे हैं।

Ref:.................... **Date:..........................**

HINDUSTAN, MUZAFFARPUR, DATE:25.02.2025, PAGE-06

बीआरएबीयू की नामांकन समिति की बैठक में लिया गया फैसला

होम साइंस में होगा सिर्फ छात्राओं का दाखिला

मुजफ्फरपुर, प्रसं। बीआरए बिहार विवि में होम साइंस विषय में अब सिर्फ छात्राओं का ही दाखिला लिया जाएगा। फैसला सोमवार को बीआरएबीयू की नामांकन समिति की बैठक में लिया गया। बैठक की अध्यक्षता कुलपति प्रो दिनेश चंद्र राय ने की। बैठक में डीएसडबल्यू प्रो आलोक प्रताप सिंह, प्रो विनय शंकर राय, आरबीबीएम की प्राचार्य प्रो.ममता रानी, सभी संकाय अध्यक्ष व विभागाध्यक्ष मौजूद रहे।

बैठक में होम साइंस की अध्यक्ष प्रो कुसुम कुमारी ने पीजी में विद्यार्थियों के दाखिला लेने पर मार्गदर्शन मांगा। कहा कि अब तक होम साइंस में किसी भी छात्र का दाखिला नहीं हुआ है। होम साइंस में इस बार दो छात्रों नाम मेरिट लिस्ट में जारी किया गया था, तभी से इसको लेकर ऊहापोह की स्थिति बनी हुई थी। नामांकन समिति में यह तय किया गया कि अभी होम साइंस में सिर्फ छात्राओं का ही दाखिला होगा।

इंटीग्रेटेड बीएड के छात्र करेंगे दो साल की पीजी

बीआरएबीयू में चार वर्षीय इंटीग्रेटेड बीएड करने वाले छात्र दो वर्ष की पीजी कर सकेंगे। नामांकन समिति की बैठक में यह फैसला किया गया। बीआरएबीयू में अभी एक साल का पीजी शुरू नहीं हुआ हैं, इसलिए अभी छात्रों को दो साल का ही पीजी करना होगा। बीएससी-बीएड और बीए बीएड के छात्रों ने जिस विषय में ऑनर्स किया होगा, उसी में उनका दाखिला पीजी में होगा।

बीटेक व वोकेशनल के छात्रों का दाखिला नहीं

पीजी में बीटेक और वोकेशनल के छात्रों का दाखिला नहीं लिया जाएगा। नामांकन समिति की बैठक में इसका फैसला लिया गया। बैठक में बीटेक और वोकेशनल के छात्रों के नामांकन का मुद्दा एक विभागाध्यक्ष ने उठाया। रेगुलेशन नहीं होने के कारण इसे खारिज कर दिया गया। हिन्दी व इतिहास में अधिक मांग के कारण सीट वृद्धि का भी मुद्दा उठा। कुलपति ने कहा कि सभी विभाग एक समान फीस लें।

तीन मार्च को निकलेगी पीजी की दूसरी मेरिट लिस्ट

पीजी की दूसरी मेरिट लिस्ट तीन मार्च को जारी की जाएगी। नामांकन समिति में 15 मार्च से पहले नामांकन की प्रक्रिया पूरी कर लेने का निर्देश दिया गया। बैठक में तय हुआ कि सीट बचने पर नॉन प्रैक्टिकल वाले विषयों में छात्र अपना विषय बदल नामांकन ले सकते हैं। यानी हिन्दी से ऑनर्स छात्र सीट रहने पर हिस्ट्री में भी नामांकन ले सकता है। आरबीबीएम की प्राचार्य प्रो ममता रानी ने इंटरलन में फीस लेने की बात रखी। इसपर कहा गया कि मामला परीक्षा बोर्ड में रखा जाएगा।

DAINIK JAGRAN, MUZAFFARPUR
DATE: 25.02.2025, PAGE-04

स्नातक फर्स्ट सेमेस्टर की कापियों का मूल्यांकन शुरू, अप्रैल में रिजल्ट

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर: बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में स्नातक फर्स्ट सेमेस्टर की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन सोमवार को शुरू हो गया है। पहले दिन हिंदी के लिए शिक्षकों ने योगदान दिया और मूल्यांकन कार्य की शुरुआत हुई। मंगलवार से मूल्यांकन में तेजी आएगी। शनिवार को ही परीक्षा नियंत्रक डा. सुबालाल पासवान ने सभी कालेजों के प्राचार्यों को पत्र जारी किया था। इसमें उन्होंने पीजी हिंदी विभाग के सभी शिक्षकों और कालेजों के प्राचार्यों से हिंदी के शिक्षकों को रिलीव करने की बात कही है। इसी आधार पर कालेजों ने हिंदी के शिक्षकों को रिलीव कर दिया है। बताया जा रहा है कि बाकी विषयों की कोडिंग होने के बाद मूल्यांकन

कालेजों में थर्ड सेमेस्टर का भरा जा रहा फार्म, परीक्षा के लिए विश्वविद्यालय की ओर से अब तक कार्यक्रम जारी नहीं

किया जाएगा। चार वर्षीय स्नातक कोर्स के सत्र 2024 - 28 में नामांकित छात्र-छात्राओं के प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा के बाद उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कराया जा रहा है। विश्वविद्यालय की योजना है कि अप्रैल में प्रथम सेमेस्टर का परिणाम जारी कर दिया जाएगा। फिलहाल कालेजों में थर्ड सेमेस्टर का परीक्षा फार्म भरा जा रहा है। इसके बाद थर्ड सेमेस्टर की परीक्षा होगी। परीक्षा के लिए अब तक कार्यक्रम जारी नहीं किया गया है।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR
BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR
PIN-842001 (BIHAR)
Website:-www.brabu.net

Ref:.................... **Date:..........................**

DAINIK JAGRAN, MUZAFFARPUR, DATE:25.02.2025, PAGE-04

इंटीग्रेटेड बीएड के छात्रों का पीजी में होगा नामांकन

बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में कुलपति की अध्यक्षता में आयोजित नामांकन समिति की बैठक में निर्णय

- पहली मेधा सूची से नामांकन के बाद विद्यार्थियों को मिलेगा एडिट का विकल्प, बदल पाएंगे विषय
- फीस की एकरूपता होगी लागू सभी पीजी विभाग अतिरिक्त शुल्क को करेंगे अधिसूचित

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर: बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के तहत चार वर्षीय बीएड कोर्स से स्नातक की पढ़ाई पूरी करने वाले छात्र-छात्राओं के पीजी में नामांकन का रास्ता साफ हो गया है। इसकी पढ़ाई के दौरान उन्होंने जिस विषय में स्नातक की पढ़ाई पूरी की है उसी विषय में उनका पीजी में नामांकन होगा। संबंधित विषय में आनलाइन नामांकन के लिए आवेदन करने वाले विद्यार्थियों का नामांकन मेरिट लिस्ट के आधार पर किया जाएगा। ऐसे विद्यार्थियों को अपना विकल्प बदलने का मौका मिलेगा। यानी अगर उन्होंने फिजिक्स से पीजी में नामांकन के लिए आवेदन किया है तो उन्हें सीट और मेरिट लिस्ट के अनुसार उसी विषय में नामांकन लेना होगा। एडिट के विकल्प के तहत वे केमिस्ट्री में अपना नामांकन नहीं करा सकेंगे। लंबे समय से छात्र नामांकन के लिए पीजी विभागों से लेकर कालेज का चक्कर लगा रहे थे। बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में सोमवार को कुलपति प्रो. डीसी राय की अध्यक्षता में नामांकन समिति की बैठक हुई। कुलपति ने कहा कि पीजी कोर्स में नामांकन के लिए राजभवन की ओर से निर्धारित शुल्क संरचना का पालन किया जाए। साथ ही सभी पीजी विभागों में फीस की एकरूपता को लागू किया जाए। सभी पीजी विभागों में विकास मद में लिए जाने वाले शुल्क या अन्य शुल्क में भी अंतर नहीं होना चाहिए। इसे सभी पीजी विभागाध्यक्षों को अपने-अपने विभागों में लागू कराना है। सभी पीजी विभाग शुल्क के साथ लिए जाने वाले डेवलपमेंट शुल्क की अधिसूचना जारी करें। बताया जा रहा है कि बैठक में निर्णय लिया गया है कि सभी पीजी विभागों में विकास शुल्क के रूप में 300 रुपये लिए जाएंगे। बैठक में सभी संकायाध्यक्षों के साथ-साथ प्राक्टर प्रो. बीएस राय, डा. सतीश कुमार राय, डीएसडब्ल्यू डा. आलोक प्रताप सिंह, आरबीबीएम कालेज की प्राचार्य डा. ममता रानी, रजिस्ट्रार डा. संजय कुमार समेत अन्य कालेज के प्राचार्य और पीजी विभागों के अध्यक्ष उपस्थित हुए।

प्रतिपूर्ति राशि के लिए नामांकन के बाद जाएगा प्रस्ताव : पीजी में हुए नामांकन के बाद विश्वविद्यालय के स्तर से प्रतिपूर्ति राशि का प्रस्ताव तैयार करते हुए राज्य सरकार को भेजा जाएगा। इसमें पीजी में नामांकन के बदले सभी वर्ग की छात्राओं और एससी, एसटी वर्ग के छात्रों से नामांकन शुल्क लिए जाने के बदले राशि की मांग की जाएगी। सरकार की ओर से राशि भेजने के बाद उसे छात्र-छात्राओं के खाते में लौटा दिया जाएगा। राज्य सरकार के निर्देश के तहत उच्च शिक्षा में छात्राओं और एससी, एसटी वर्ग के छात्रों से नामांकन शुल्क नहीं लिया जाना है। पीजी सत्र 2024-26 के लिए जल्द ही प्रस्ताव राज्य सरकार को जाएगा।

होली से पहले समाप्त होगा एडमिशन : पीजी कोर्स में नामांकन की प्रक्रिया को होली से पहले समाप्त किया जाएगा। फिलहाल 28 फरवरी तक पहली मेधा सूची से नामांकन हो रहा है। इसके बाद खाली बची सीटों पर मेरिट लिस्ट जारी कर नामांकन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इसके साथ ही कक्षाओं की शुरुआत होगी। पहली सूची से नामांकन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद विद्यार्थियों के लिए आवेदन को एडिट का विकल्प दिया जाएगा। इसमें हिंदी और इतिहास विषय के छोड़कर बाकी छात्र विषय परिवर्तन कर सकेंगे।

छात्रों का पीजी होम साइंस में नहीं होगा नामांकन

पीजी होम साइंस में छात्रों का नामांकन नहीं होगा। नामांकन समिति की बैठक में यह निर्णय लिया गया है। पिछले दिनों कई छात्रों ने पीजी होम साइंस में नामांकन के लिए आवेदन किया था। इसमें से तीन छात्रों का नाम पीजी होम साइंस विभाग और एक छात्र को आरएलएसवाइ कालेज बेतिया में नामांकन के लिए आवंटित किया गया था। इसके बाद पीजी विभागाध्यक्ष और कालेज के प्राचार्य ने मार्गदर्शन मांगा था।

कालेज पर परीक्षा की जानकारी नहीं देने का आरोप

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर : बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में सोमवार को छात्र संवाद का आयोजन हुआ। इसमें करीब आधा दर्जन से अधिक समस्याओं को लेकर छात्र- छात्राएं पहुंचे थे। छात्रों ने कहा कि कालेज के स्तर से परीक्षा फार्म से लेकर प्रैक्टिकल और थ्योरी परीक्षा की जानकारी नहीं दी जाती। इससे काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। एक छात्रा ने शिकायत की है कि उसे थर्ड ईयर की परीक्षा देने के बाद भी अंक पत्र नहीं दिया जा रहा है। रिजल्ट में गड़बड़ी की शिकायत लेकर संवाद में पहुंचे छात्र का आवेदन आइटी सेल को भेजा गया है। प्राक्टर प्रो. बीएस राय ने संवाद में आए मामलों की समीक्षा की। कहा कि हर सोमवार को पिछले आवेदनों में हुए प्रगति की समीक्षा होगी। छात्र संवाद में डीएसडब्ल्यू प्रो. आलोक प्रताप सिंह, डिप्टी कंट्रोलर डा. आनंद प्रकाश दुबे, गेस्ट हाउस इंचार्ज अमर बहादुर शुक्ला समेत अन्य उपस्थित रहे।

Ref:.................... **Date:..........................**

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR, DATE:25.02.2025, PAGE-04

कुलपति ने निर्धारित शुल्क संरचना का पालन करने को कहा

पीजी विभागों में विकास मद में लिये जाने वाले शुल्क में होगी एकरूपता

नामांकन समिति की बैठक

वरीय संवाददाता, मुजफ्फरपुर

पीजी विभागों में विकास मद में लिए जाने वाले शुल्क या अन्य शुल्क में भी अंतर नहीं होना चाहिए. इसे सभी पीजी विभागाध्यक्षों को अपने - अपने विभागों में लागू कराना है. सोमवार को बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. डीसी राय की अध्यक्षता में नामांकन समिति की बैठक हुई. जिसमें कुलपति ने कहा कि पीजी कोर्स में नामांकन के लिए राजभवन की ओर से निर्धारित शुल्क संरचना का पालन किया जाए. साथ ही सभी पीजी विभागों में फीस की एकरूपता को लागू किया जाए. सभी पीजी विभाग शुल्क के साथ लिए जाने वाले डेवलपमेंट शुल्क की अधिसूचना जारी करें. बताया जा रहा है कि बैठक में निर्णय लिया गया है कि सभी पीजी विभागों में विकास शुल्क के रूप में 300 रुपये लिए जाएंगे. बैठक में सभी संकायाध्यक्षों के साथ-साथ प्राक्टर प्रो. बीएस राय, डॉ. सतीश कुमार राय, डीएसडब्ल्यू डा. आलोक प्रताप सिंह, आरबीबीएम कॉलेज की प्राचार्य डॉ. ममता रानी, रजिस्ट्रार डॉ. संजय कुमार समेत अन्य कॉलेजों के प्राचार्य और पीजी विभागों के अध्यक्ष उपस्थित हुए.

बीएड कोर्स से जुड़े छात्रों के पीजी में नामांकन का रास्ता साफ

बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के तहत चार वर्षीय बीएड कोर्स से स्नातक की पढ़ाई पूरी करने वाले छात्र-छात्राओं का पीजी में नामांकन का रास्ता साफ हो गया है. बीएड की पढ़ाई के दौरान उन्होंने जिस विषय में स्नातक की पढ़ाई पूरी की है. उसी विषय में उनका पीजी में नामांकन होगा. लंबे समय से छात्र नामांकन के लिए पीजी विभागों से लेकर कालेज का चक्कर लगा रहे थे. संबंधित विषय में आनलाइन नामांकन के लिए आवेदन करने वाले विद्यार्थियों का नामांकन मेरिट लिस्ट के आधार पर किया जाएगा. ऐसे विद्यार्थियों को अपना विकल्प बदलने का मौका मिलेगा. यदि उन्होंने फिजिक्स से पीजी में नामांकन के लिए आवेदन किया है तो उन्हें सीट और मेरिट लिस्ट के अनुसार उसी विषय में नामांकन लेना होगा. एडिट का विकल्प के तहत वे केमिस्ट्री में अपना नामांकन नहीं करा सकेंगे.

छात्रों का पीजी होम साइंस में नहीं होगा नामांकन

नामांकन समिति की बैठक मे यह तय हुआ है कि पीजी होम साइंस मे छात्रों का नामांकन नहीं होगा. पिछले दिनों कई छात्रों ने पीजी होम साइंस में नामांकन के लिए आवेदन किया था. इसमे से तीन छात्रों का नाम पीजी होम साइंस विभाग और एक छात्र को आरएलएसवाइ कॉलेज बेतिया मे नामांकन के लिए आवंटित किया गया था. इसके बाद पीजी विभागाध्यक्ष और कालेज के प्राचार्य ने नामांकन से पहले विश्वविद्यालय से दिशा निर्देश मांगा था. पीजी मे हुए नामांकन के बाद विश्वविद्यालय के स्तर से प्रतिपूर्ति राशि का प्रस्ताव तैयार करते हुए राज्य सरकार को भेजा जाएगा.

इस खबर को विस्तार से पढ़ने के लिए क्यू आर स्कैन करें.